



સંક્રાત આરેલી ૩



દૈવકાળ ઝા ગોપબન્ધુ મિશ્ર

वन्दना



मूँकं करोति वाचालं पङ्गुं लङ्घयते गिरिम्।
यत्कृपा तमहं वन्दे परमानन्दमाधवम्॥ 1 ॥

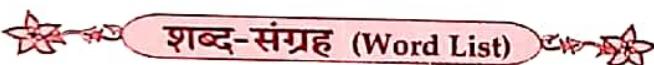
सर्वस्वरूप! सर्वेश! सर्वशक्ति-समन्वित!
सर्वपालक! सर्वज्ञ! प्रसीद परमेश्वर॥ 2 ॥

परमेशः पिताऽस्माकं जननी तु वसुन्धरा।
वयं सर्वे तयोः पुत्राः नमामस्तौ नताः सदा॥ 3 ॥

असतो मा सद्गमय।
तमसो मा ज्योतिर्गमय।
मृत्योर्माऽमृतं गमय॥ 4 ॥

• भावार्थ (Meanings)

- जिनकी कृपा गूँगे को भी बोलने में सक्षम करती है और लंगड़े को ऊँचा पहाड़ पार करवा देती है, उन परमानन्द परमेश्वर को मैं नमस्कार करता हूँ। अर्थात्, परमेश्वर ही सामर्थ्य और शक्ति के दाता हैं। उनकी कृपा से असंभव भी संभव हो जाता है। इसलिए, अपने कल्याण के लिए मैं उन्हें प्रणाम करता हूँ।
- सब रूपों में बसनेवाले, सबों के प्रभु, सबसे शक्तिमान, सबों का पालन करनेवाले और सबकुछ जाननेवाले हैं परमेश्वर! आप (मुझपर) प्रसन्न हों। अर्थात्, प्रभु की महिमा अपार है। वे सबकी आत्मा में बसनेवाले, सबों के ईश्वर, सबसे प्रबल, सबों के पालनहार और सबों के मन की बात जाननेवाले हैं। अतएव, उनकी प्रसन्नता कल्याण का आधार है।
- परमेश्वर हमारे पिता हैं। पुनः धरती हमारी माता है। हम सभी उन दोनों के पुत्र हैं। हमलोग हमेशा उनको झुककर प्रणाम करते हैं। अर्थात्, ईश्वर पिता और पृथ्वी माता होने के कारण धरती के सारे लोग हमारे भाई-बन्धु हैं। विश्व के नागरिक के रूप में हम अपने इन माता-पिता के चरणों में अपना शीशा झुकाते हैं।
- (हे भगवन्!) आप मुझे बुराई से अच्छाई की ओर प्रेरित करें। अज्ञान के अन्धकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर प्रेरित करें। मृत्यु से अमरता की ओर प्रेरित करें। अर्थात्, भगवान की कृपा से ही हम गलत मार्ग से सही मार्ग की ओर, अन्धकार से प्रकाश की ओर तथा जन्म-मृत्यु के बन्धन से छूटकर मुक्ति की ओर जा सकते हैं। उनकी कृपा के बिना कुछ भी सम्भव नहीं है।

 **शब्द-संग्रह (Word List)** 

मृक्षम् = गूँगे को (a dumb person)

वाचालम् = बोलने में सक्षम

(capable of speech)

पहुङ्म् = लंगड़े को (a lame person)

लहृत्यते (लङ्घते) = पार करा देता है
(helps to cross)

गिरिम् = पहाड़ (mountain)

चक्रपा = जिसकी कृपा (whose grace)

तपहम् (तम् + अहम्) = उसकी मैं
(to Him I)

वन्दे (वन्द) = वन्दना करता हूँ ([I] pray)

परमानन्दमाध्यवम् (परम + आनन्दमाध्यवम्)
= उत्तम आनन्ददायक ईश्वर की
(to God, the giver of bliss)

सर्वस्वरूप = सभी रूपों में विद्यमान
(omnipresent)

सर्वेश (सर्व + ईश) = सबके स्वामी
(Lord of all)

समन्वित = युक्त (possessed of)

सर्वज्ञ = सबकुछ जाननेवाला
(all-knowing)

प्रसीद (प्र-सद्) = प्रसन्न हो (be pleased)

परमेशः (परम + ईशः) = सबसे बड़ा
स्वामी (Almighty)

वसुन्धरा = धरती (the earth)

नमामस्तौ (नमामः + तौ) = उन दो को
प्रणाम करते हैं ([we] bow to those two)

नताः = झुके हुए (bowed)

सदा = हमेशा (always)

असतो मा (असतः + मा) = बुराई से
मुझे (me from evil)

तद्रामव (तद् + रामव) = अच्छाई को और
प्रेरित करे (lead [me] to goodness)
तमसो मा (तमसः + मा) = अंधकार से मुँहे
(me from darkness)
ज्योतिः = प्रकाश (light)

ज्योतिर्गीत्य (ज्योतिः + गीत्य) = प्रकाश को
और प्रेरित करे (lead [me] to light)
मृत्योर्यात्मृतम् (मृत्योः + मा + अमृतम्) =
मुँहे मृत्यु से अमरता की ओर
(me from mortality to immortality)

॥ अध्यास ॥

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखें। (Write the meanings of the following words.)

वाचालम्, सर्वेश, वसुन्धरा, सदा, प्रसीद

2. निम्नलिखित श्लोक का अनुवाद करें। (Translate the following shloka.)

परमेशः पिताऽस्माकं जननी तु वसुन्धरा।
वयं सर्वे तयोः पुत्राः नमामस्तौ नताः सदा॥

3. पाठानुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। (Fill in the blanks according to the lesson.)

(क) मूर्कं करोति वाचालग् ।	(घ) वयं सर्वे तयोः ।
(ख) सर्वस्वरूप! ।	(ड) तमसो मा गीमगः ।
(ग) जननी तु ।	

4. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य गठन करें। (Make sentences with the following words.)

मूरकम्, सर्वज्ञः, वसुन्धरा, नमामः, सदा

5. संस्कृत में अनुवाद करें। (Translate into Sanskrit.)

(क) वह गँगे को बोलने में सक्षम बनाता है। (He turns a dumb person into a person capable of speech.)
(ख) हे सबके स्वामी! प्रसन्न हो। (O Lord of all! be pleased.)
(ग) परमेश्वर हमारे पिता है। (The Almighty is our Father.)
(घ) उन दो को हम प्रणाम करते हैं। (We salute those two.)
(ड) मुझे अन्धकार से प्रकाश की ओर प्रेरित करो। (Lend me from darkness to light.)



पुनरावर्तन

रामः विजयते

रामो राजमणिः सदा विजयते रामं रमेशं भजे
रामेण निहता निशाचरचमू रामाय तस्मै नमः।

रामात् नास्ति परायणं परतरं रामस्य दासोऽस्म्यहं
रामे चित्तलयः सदा भवतु मे हे राम! माम् उद्धर॥

रामः वनम् अगच्छत्। लक्ष्मणः सीता च रामेण सह अगच्छताम्। तत्र ते पर्णकुटीरे अतिष्ठन्।
लङ्घायाः नृपः रावणः वनात् सीताम् अहरत्।

रामस्य भक्ताः वानराः समुद्रे सेतुबन्धनं कुर्वन्ति। ततः परं रामः लक्ष्मणेन सह लङ्घां
गच्छति। ते वानराः अपि तत्र गच्छन्ति।

रावणेन सह रामस्य युद्धं भविष्यति। युद्धे रावणादयः राक्षसाः मरिष्यन्ति। सीताया लक्ष्मणेन च
सह रामः अयोध्याम् आगमिष्यति।

रामः अयोध्यायाः राजा भवतु। रामस्य राज्ये जनाः कदापि दुःखं न अनुभवन्तु। सर्वे जनाः
सुखेन तिष्ठन्तु।

शब्द-संग्रह (Word List)

राजमणिः = राजाओं में श्रेष्ठ

(jewel of the kings)

विजयते (वि-जि) = विजयी होता है
(triumphs)

रमेशम् = विष्णु (Lord Vishnu)

भजे (भज) = भजन करता हूँ ([I] pray)

निहता (नि-हन) = मारी गई (killed)

निशाचरचमूः = राक्षसों की सेना
(demons' army)

परायणम् (पर + अयनम्) = दूसरा मार्ग

(another way)

परतरम् = श्रेष्ठतर (greater)

दासोऽस्म्यहम् (दासः + अस्मि + अहम्) =
मैं सेवक हूँ (I am a servant)

चित्तलयः = मन का ध्यान (meditation)

उद्धर (उत्-हर) = बचाओ (save)

पर्णकुटीरे = पत्तों से बनी कुटिया में
(in a hut made of leaves)

अतिष्ठन् (स्था) = ठहरे (stayed)

नृपः = राजा (king)

अहरत् (ह) = अपहरण किया
(carried away)

सेतुबन्धनं कुर्वन्ति (कु) = बाँध का निर्माण
करते हैं (construct a bridge)

रावणादयः (रावण + आदयः) = रावण आदि
(Ravana, etc.)

मरिष्यन्ति (मृ) = मरेंगे (will die)

आगमिष्यति (आ-गम) = आएगा (will come)
न अनुभवन्तु (अनु-भू) = अनुभव न करें
(let not feel)

सुखेन = सुख से (with happiness)

अभ्यास

1. संस्कृत में उत्तर दें। (Answer in Sanskrit.)

(क) कः विजयते? श्रामः विजयते।

(घ) कः सीताम् अहरत्?

(ख) कस्मै नमः?

(ड) केन सह रामस्य युद्धं भविष्यति?

(ग) अहं कस्य दासः अस्मि?

2. विशेषण एवं विशेष्य को पहचानें। (Identify the adjectives and the nouns.)

विशेषण

विशेष्य

(क) विशाले देशो

..... विशाले

..... देशो

(ख) दुष्टान् असुरान्

.....

.....

(ग) उत्तमाः सेवकाः

.....

.....

(घ) शोभां रमणीयाम्

.....

.....

(ङ) मधुरेषु फलेषु

.....

.....

(च) जलं शीतलम्

.....

.....

3. शब्दरूपों के विभक्ति एवं वचन पहचानें।

(Identify the case-ending and number of each word form.)

विभक्ति

वचन

(क) गमेण

..... तृतीया

..... एकवचन

(ख) तस्मै

.....

.....

(ग) गमस्य

.....

.....

(घ) वनात्

.....

.....

(ङ) सीताम्

.....

.....

(च) गुज्ये

.....

.....

4. धातुरूपों के लकार एवं पुरुष पहचानें।

(Identify the 'लकार' and person of each verb.)

	लकार	पुरुष
(क) गच्छति लट्	प्रथम
(ख) अतिष्ठन्		
(ग) मरिष्यन्ति		
(घ) तिष्ठन्तु		
(ङ) कुर्वन्ति		

5. निम्नलिखित वाक्यों का अनुवाद करें। (Translate the following sentences.)

(क) अहं रामस्य दासः अस्मि।

(ख) ते पर्णकुटीरे अतिष्ठन्।

(ग) युद्धे रावणः मरिष्यति।

(घ) सर्वे जनाः सुखेन तिष्ठन्तु।

6. संस्कृत में अनुवाद करें। (Translate into Sanskrit.)

(क) राम लक्ष्मण के साथ लड़ा गए।

(Rama went to Lanka with Lakshmana.)

(ख) राम को नमस्कार। (Salutations to Rama.)

(ग) हे राम! मुझे बचाओ। (O Rama! save me.)

(घ) हम रामायण पढ़ेगे। (We shall read the Ramayana.)

(ङ) [तुम] एक अच्छी पुस्तक पढ़ो। ([You] Read a good book.)

(च) रावण लड़ा का राजा था। (Ravana was the king of Lanka.)

(छ) उसने सीता का जंगल से अपहरण किया। (He carried away Sita from the forest.)



जयतु भारतम्

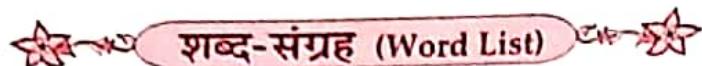
भारतम् अस्माकं देशः अस्ति। अस्य
उत्तरदिशायां पर्वतराजः हिमालयः
मुकुटमणिः इवास्ति। दक्षिणदिशायां
हिन्दमहासागरः भारतस्य चरणौ
प्रक्षालयति। पूर्वदिशायां बङ्गोपसागरः
पश्चिमदिशायाम् अरबसागरश्च स्तः।

अत्र गङ्गा, यमुना, नर्मदादयः नद्यः
प्रवहन्ति। हरितानि कृषिक्षेत्राणि, सुदीर्घाः
पर्वतमालाः, विशालानि वनानि प्रभूताः
खनिजपदार्थाः चास्य देशस्य समृद्धिं
प्रकटयन्ति।

अस्मिन् देशे विविधाः भाषाः सन्ति।
जनानां वेशभूषाः अपि भिन्नाः भिन्नाः
भवन्ति। तेषां भोजनानि आवासाः
उत्सवाः च विविधाः भवन्ति। किन्तु सर्वे एकत्र भ्रातृभावेन तिष्ठन्ति।

भारतं वहुप्राचीनः देशः अस्ति। अत्र हि विश्वप्रसिद्धाः वेदाः, पुराणानि, रामायणम्,
महाभारतम्, आयुर्वेदादयः ग्रन्थाः रचिताः आसन्। अस्मिन् देशे वाल्मीकि-कालिदासादयः
महाकवयः आसन्। पद्मिनी-लक्ष्मीबाईसमानाः वीराङ्गनाः गान्धी-सुभाषादयः राष्ट्रनायकाः चासन्।
आर्यभट्ट-जगदीशचन्द्रबसु-सदृशाः वैज्ञानिकाः, विवेकानन्द-दयानन्दतुल्याः संस्कारकाः अपि
अत्रैव अभवन्। इदानीम् अपि भारतीयाः विविधेषु क्षेत्रेषु अग्रेसराः सन्ति। भारते अनेके मुनयः
अभवन्। तेषां मुनीनाम् अध्यात्मविद्यायां निविष्टं ज्ञानम् आसीत्।

‘सत्यमेव जयते’ भारतस्य आदर्शवाक्यम् अस्ति। अस्य राष्ट्रियः ध्वजः ‘त्रिरङ्गम्’ अस्ति।
‘जनगणमन’ एतस्य राष्ट्रगानं ‘वन्दे मातरम्’ राष्ट्रगीतं च अस्ति। भारतस्य राजधानी ‘दिल्ली’
अस्ति। भारते अनेकतायाम् एकता अस्ति। एतत् भारतवर्षं विश्वे जयतु।

 **शब्द-संग्रह (Word List)**

जयतु (जि) = विजयी हो (be victorious)

मुकुटमणि: = मुकुट की मणि
(the gem of the crown)

इवास्ति (इव + अस्ति) = जैसा है (is like)

प्रक्षालयति (प्र-क्षाल्) = धोता है (washes)

नर्मदादयः (नर्मदा + आदयः) = नर्मदा आदि
(Narmada, etc.)

प्रवहन्ति (प्र-वह्) = बहती हैं (flow)

सुदीर्घाः = बहुत लम्बी (very long)

प्रभूताः = बहुत अधिक (ample)

समृद्धिम् (सम् + ऋद्धिम्) = सम्पन्नता को
(prosperity)

प्रकटयन्ति (प्र-कट्) = प्रकट करते हैं
(reveal)

वेशभूषाः = वेश (dresses)

मित्राः मित्राः = अलग-अलग (different)

आवासाः = मकान (houses)

उत्सवाः = उत्सव (festivals)

भ्रातृभावेन = भाईचारे के साथ
(with brotherhood)

रचिताः (रच्) = रचे गए (composed)

कालिदासादयः (कालिदास + आदयः) =
कालिदास आदि (Kalidasa, etc.)

समानाः/सदृशाः/तुल्याः = जैसे (like)

वीराङ्गनाः (वीर + अङ्गनाः) = वीर नारीयाँ
(brave women)

राष्ट्रनायकाः = देश के नेता
(national leaders)

संस्कारकाः (सम् + कारकाः) =
सुधारकगण (reformers)

अत्रैव (अत्र + एव) = यहीं (only here)

अग्रेसराः = अग्रणी (leaders)

अध्यात्मविद्यायाम् = अध्यात्मविद्या में
(in spiritual knowledge)

निविष्टम् (नि-विश) = प्रौढ़, पूर्ण
(profound)

सत्यमेव (सत्यम् + एव) = सत्य ही
(truth alone)

आदर्शवाक्यम् = आदर्श वाक्य (motto)

अनेकतायाम् = अनेकता में (in diversity)

• पढ़ें और समझें (Read and understand)

० सन्धि—दो ध्वनियों के मेल से शब्द में उत्पन्न विकार को सन्धि कहते हैं। यथा—

कालिदास + आदयः = कालिदासादयः

सन्धि के तीन भेद हैं—

(i) स्वर सन्धि, (ii) व्यञ्जन सन्धि और (iii) विसर्ग सन्धि

स्वरों के मेल से होनेवाले ध्वनि-परिवर्तन को 'स्वर सन्धि' कहते हैं। स्वर सन्धि के पाँच भेद होते हैं। उनमें से एक है— 'दीर्घ सन्धि'।

दीर्घ सन्धि में समान स्वर मिलकर दीर्घ हो जाते हैं। यथा—

अ/आ + अ/आ = आ

हिम + आलयः = हिमालयः

च + अस्य = चास्य

च + आसन् = चासन्

इव + अस्ति = इवास्ति

० शब्द — शब्दों के अन्त में आनेवाले स्वरों के आधार पर ही शब्दों (पूँलिङ्ग, खोलिङ्ग या नपुंसकलिङ्ग) को 'अकारान्त', 'आकारान्त', 'इकारान्त' आदि कहते हैं। यथा—

1. अकारान्त पूँलिङ्ग — देश, महासागर
2. अकारान्त नपुंसकलिङ्ग — वन, पुष्प
3. आकारान्त खोलिङ्ग — नर्मदा, वीराङ्गना
4. इकारान्त पूँलिङ्ग — मणि, कवि, मुनि
5. इकारान्त खोलिङ्ग — समृद्धि, शान्ति
6. इंकारान्त खोलिङ्ग — नदी, राजधानी

जिस प्रकार सभी अकारान्त पूँलिङ्ग शब्दों के रूप एक समान चलते हैं, उसी प्रकार हर वर्ग के शब्दों के रूप आपस में प्रायः समान ही चलते हैं।

पाठ में आपने इकारान्त पूँलिङ्ग शब्द 'कवि', 'मणि' और 'मुनि' के प्रयोग देखे। इन शब्दों के रूप एक समान चलते हैं। (रूप के लिए परिशिष्ट देखें।)

अभ्यास

1. संस्कृत में उत्तर दें। (Answer in Sanskrit.)

- (क) भारतस्य उत्तरदिशायां कः आस्ति? आकृतद्वच उत्तरदिशायां पर्यातकाजः हिमालयः द्विष्टि।
- (ख) अस्माकं देशः कः?
- (ग) भारतस्य राजधानी का?
- (घ) भारतस्य आदर्शवाक्यं किम्?

2. सन्धि-विच्छेद करें। (Disjoin the sandhis.)

इवास्ति, नर्मदादयः, चासन्, वीराङ्गनाः, चास्य

3. इकारान्त पूँलिङ्ग 'मुनि' शब्द के रूप तृतीया और पठ्ठी विभक्तियों में लिखें।

(Decline [write the forms of] the इ-ending masculine word 'मुनि' in the 3rd and 6th case-endings.)

4. पाठानुसार उचित नामों से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।

(Fill in the blanks with suitable names according to the lesson.)

- | | | |
|-------------------------------|-------------------|--------------------|
| (क) भारतस्य द्वौ राष्ट्रनायकौ | गाढधी | कुभाषः |
| (ख) भारतस्य द्वौ ग्रन्थी | | |
| (ग) भारतस्य द्वे वीराङ्गने | | |
| (घ) भारतस्य द्वौ संस्कारकौ | | |

(ङ) भारतस्य आदर्शवाक्यम्

(च) भारतस्य राष्ट्रगीतम्

5. निम्नलिखित शब्दरूपों के लिह, विभक्ति एवं वचन पहचानें।

(Identify the gender, case-ending and number of each of the following word forms.)

	लिह	विभक्ति	वचन
(क) मणिः	पुँलिङ्गः	प्रथमा	एकवचन
(ख) पूर्वदिशायाम्			
(ग) महाकवयः			
(घ) देशो			
(ङ) क्षेत्रेषु			
(च) मुनोनाम्			

6. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखें। (Write the meanings of the following words.)

सुदीर्घाः, पर्वतराजः, संस्कारकाः, कवीनाम्, प्रक्षालयति

7. संस्कृत में अनुवाद करें। (Translate into Sanskrit.)

(क) भारत हमारा देश है। (India is our country.)

(ख) कालिदास एक महान् कवि थे। (Kalidasa was a great poet.)

(ग) भारत की राजधानी दिल्ली है। (Delhi is the capital of India.)

(घ) भारत की दक्षिण दिशा में हिन्दमहासागर है। (The Indian Ocean is to the south of India.)

(ङ) यहाँ गङ्गा नदी बहती है। (The river Ganges flows here.)

(च) भारतीय विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी हैं। (Indians are leaders in various fields.)

